



# भारत का अजपत्र

## The Gazette of India

प्रसाचित

## EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

## PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 113] नई दिल्ली, मंगलवार, जून 17, 1975/ज्येष्ठ 27, 1897

No. 113] NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 1975/JYAISTHA 27, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह दातान संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF COMMERCE

## PUBLIC NOTICE

## IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 17th June 1975

SUBJECT.—*Deregistration of Exporters.*

No. 50-ITC(PN)/75.—Attention is invited to the provisions regarding registration and de-registration of exporters as laid down in paras 106—108 in Chapter V of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure, 1975-76.

2. In the aforesaid provisions, in para 107, after the existing sub-para (2), the following new sub-para may be added:—

"(3) Where the Chief Controller of Imports & Exports is satisfied that an exporter has failed, for inadequate reasons, to comply with the terms of an export contract as regards the quality and specification of the goods to be exported or the period of delivery or in any other respect, he may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, direct the registering authority to de-register such exporter for a specified or indefinite period and in respect of a particular export product or products or all the export products covered by the import policy for Registered Exporters; provided that no such action shall be taken unless the exporter has been given an opportunity of being heard in the matter."

3. The corresponding provisions in para 15, Part 'E', Section I of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. II) for April 1975—March 1976 may also be deemed to have been amended accordingly.

B. D. KUMAR,

Chief Controller of Imports and Exports.

## दार्शनिक संशोधन

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 17 जून, 1975

**विषय।—नियर्तिकों का विषयीकरण।**

**सं० 50-आई० ढ०० स०० (पी० एन०)/75.—आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक, 1975-76 के अध्याय 5 में पैरा 106-108 में नियर्तिकों के पंजीकरण और विषयीकरण के सम्बन्ध में निर्धारित परन्तुकों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।**

2. पूर्वोक्त परन्तुकों में पैरा 107 में विद्यमान उप-वैरा (2) के बाद निम्नलिखित उप-वैरा जोड़ा जाए :—

“(3) जिस मामले में मुद्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति इस बात से संतुष्ट हो कि नियर्ति किए जाने वाले माल के गुण तथा विशिष्टिकरण के सम्बन्ध में या वितरण अवधि के सम्बन्ध में या अन्य किसी सम्बन्ध में एक नियर्तिक, न्यूनकारणों से, नियर्ति संविदा की शर्तों का प्रनुपालन करने में असफल रहा है तो ऐसी अस्थ कार्रवाई जो इस सम्बन्ध में की जा सकती है, को ध्यान में रख बिना भृत्ये नियर्तिक को निश्चित या अनिश्चित श्रवण के लिए और पंजीकृत नियर्तिकों के लिए आयात नीति में शामिल किसी विशेष नियर्ति उत्पादन या उत्पादों या सभी नियर्ति उत्पादों के सम्बन्ध में ऐसे नियर्तिक को विषयीकृत करने के लिए वै-करण करने वाले प्राधिकारी को निदेश दे सकता है परन्तु इस की यह शर्त यही कि सुनाई के लिए नियर्तिक को सुअवसर प्रदान किए बिना ऐसी कार्रवाई नहीं की जाएगी।”

3. अप्रैल 1975-मार्च, 1976 की आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक बा० 2) के खंड 1, भाग 'ई' पैरा 15 में संगत परन्तुक भी तदनुसार संशोधित किए गए समझे जाएं।

बी० डी० कुमार,  
मुद्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति।